



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 70]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 7, 1971/चैत्र 17, 1893

No. 70]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 7, 1971/CHAITRA 17, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह स्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

CUSTOMS

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 522.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 26-Customs, dated the 25th March, 1971, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all the goods specified in the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), from the special duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 3 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971).

[No. 33/F. No. Bud(Cus)/71.]

वित्त मंत्रालय
(राजस्व और बीमा विभाग)
अधिसूचनाएं
सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 522.—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की तारीख 25 मार्च, 1971 की अधिसूचना सं० 26-सीमा-शुल्क को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी माल को, वित्त अधिनियम 1971 (1971 का 14) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय विशेष सीमा-शुल्क से एतद्वारा छूट देती है।

[सं० 33/71]

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 523.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts the excisable goods specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the Items, specified in column (2) of the said Table, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter called the Central Excises Act), from so much of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 6 aforesaid as is in excess of the duty specified in the corresponding entries in column (4) of the said Table and subject to the conditions laid down in the corresponding entries in column (5) thereof:—

THE TABLE

| Serial No. | Item No. of the First Schedule to the Central Excises Act. | Description | Duty as percentage of duty leviable under the Central Excises Act read with any notification for the time being in force. | [Condition |
|------------|------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| I | 2(2) | Coffee commercially known as "instant coffee" | Nil | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-----|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 2 | 3(1) | All varieties of tea (except package tea and instant tea) | Nil | |
| 3 | 6 | Motor spirit | Nil | |
| 4 | 8 | Refined Diesel oils and vaporizing oil. | Nil | |
| 5 | 9 | Diesel Oil, not otherwise specified. | Nil | |
| 6 | 13 | Vegetable Product | Nil | |
| 7 | 14D | Synthetic organic dyestuffs (including pigment dyestuffs) and synthetic organic derivatives used in any dyeing process. | Nil | |
| 8 | 15B | Cellophane | Nil | |
| 9 | 16 | Tyres for motor vehicles but only on the first clearances for home consumption during the period commencing on the 1st April, 1971 and ending on the 31st March, 1972 (both days inclusive) upto a total value of Rs. 1.25 crores. | Nil | If the total value of the tyres for motor vehicles cleared by the manufacturer during the financial year 1970-71 for home consumption did not exceed Rs. 4 crores |
| 10 | 17(3) | Printing and writing paper (including all unbleached, badam, cream-laid and cream wove varieties thereof, but not including other coloured or tinted varieties), of a substance not exceeding 75 grammes per square metre. | Nil | If such paper does not contain in its substance any rag in the form of pulp or if it contains any rag, it also contains in its substance not less than 40 per cent. of bagasse, jute stalk or cereal straw in the form of pulp. |
| | | <i>Explanation.</i> —For the purpose of this entry, addition of colour to improve the whiteness of the paper shall not be considered as making the paper coloured or tinted. | | <i>Explanation.</i> The expression 'rag in the form of pulp' does not include pulp made out of soiled rags taken from worn and torn pieces of garments, or from soiled scraps of cloth (collected either from residential quarters or from streets or from debris dumps), or from such worn and torn pieces or garments and soiled scraps of cloth. |
| 11 | 18A | Cotton twist, yarn and thread all sorts. | Nil | |
| 12 | 23A | Glass and Glassware other than sheet glass and plate glass. | Nil | |
| 13 | 23B | Chinaware and porcelainware | Nil | |
| 14 | 28 | Tin plate and tinned sheets including tin taggers, and cuttings of such plates, sheets or taggers. | Nil | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-----|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|-----|
| 15 | 32(I) | Vacuum and gas-filled electric lighting bulbs not exceeding 60 watts, but excluding electric lighting bulbs of the type known commercially as "Miniature lamps". | Nil | |

[No. 34/71]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

सां० का० मि० 523.—वित्त अधिनियम 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस से उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और तमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम कहा गया है) की प्रथम अनुसूची की मदों के जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं अन्तर्गत आने वाले उत्पाद-शुल्क-योग्य माल को पूर्वोक्त धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से उस सारणी के स्तम्भ (5) में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में उल्लिखित शर्तों के अध्याधीन रहते हुए एतद्वारा छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक हो :—

सारणी

| क्रम सं० | केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की प्रथम अनुसूची की मद संख्या | वर्णन | तत्समय प्रवृत्त अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क, शुल्क के प्रतिशत के रूप में | शर्तें |
|----------|--------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1 | 2 (2) | काफी जो वाणिज्यिक रूप से "इंस्टैंड काफी" के नाम से ज्ञात है | कुछ नहीं | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-----|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 2 | 3 (1) | सभी किस्मों की चाय (पैकेज चाय और इस्टेंट चाय को छोड़कर) | कुछ नहीं | |
| 3 | 8 | मोटर स्प्रिट . . . | कुछ नहीं | |
| 4 | 8 | परिष्कृत डीजल तेल और वाष्पन तेल | कुछ नहीं | |
| 5 | 9 | डीजल तेल जो अन्यथा विनि- दिष्ट नहीं है | कुछ नहीं | |
| 6 | 13 | वनस्पति उत्पाद . | | |
| 7 | 14घ | संश्लिष्ट जैव रंजक द्रव्य (जिसके अन्तर्गत वर्णक रंजक द्रव्य भी हैं) और संश्लिष्ट जैव व्युत्पन्न वस्तुएं जो किसी रंजक प्रक्रिया में प्रयोग में लाई जाती हैं। | कुछ नहीं | |
| 8 | 15ख | सिलोफन . . . | कुछ नहीं | |
| 9 | 16 | मोटर गाड़ियों के लिए टायर किन्तु 1 अप्रैल 1971 को आरम्भ होने वाली तथा 31 मार्च 1972 को समाप्त होने वाली काला- वधि के दौरान (जिसके अन्तर्गत ये दोनों ही तारीखें आती हैं) गृह उपभोग के लिए प्रथम निकासी पर ही 1.25 करोड़ रुपये के कुल मूल्य तक | कुछ नहीं | यदि 1970-71 के वित्तीय वर्ष के दौरान गृह उपभोग के लिए विनिर्माता द्वारा निकासी किए गए मोटर गाड़ियों टायरों का कुल मूल्य 4 करोड़ रुपये से अधिक न हो। |
| 17 | (3) | 75 ग्राम प्रति वर्ग मीटर से अनधिक पदार्थ का छपाई और लिखाई का कागज (जिसके अन्तर्गत उसकी सभी अविरजित, बादामी, क्रीम-लैड और | कुछ नहीं | यदि ऐसे कागज में उसके पदार्थ में पल्प के रूप में कोई चीवर न हो अथवा यदि उसमें कोई चीवर हो तो उसमें उसके पदार्थ में पल्प के रूप में 40 प्रतिशत |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-----|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| | | कीमबोध किस्में आती हैं किन्तु अन्य रंगीन या आरंजित किस्में नहीं आती) | | से अन्यून बगास, पटसन के वृत्त या अनाज तृण भी हों। |
| | | स्पष्टीकरण—इस प्रविष्टि के प्रयोजन के लिए कागज की सफेदी बढ़ाने के लिए रंग डालना, कागज को रंगना या आरंजित करना नहीं समझा जाएगा। | | स्पष्टीकरण—“पल्प के रूप में चीवर” पद के अन्तर्गत ऐसा पल्प नहीं आता जो कटे-फटे वस्त्रों के गंदे चिय-डों से, या (निवास गृहों या सड़कों या गंदे ढेरों से इकट्ठा किए गए) कपड़े के गंदे टुकड़ों से, या वस्त्रों के ऐसे ही कटे-फटे टुकड़ों से बना हो। |
| 11 | 18क | मूती, टिवस्ट, मूत और धागा, सभी किस्म का। | कुछ नहीं | |
| 12 | 23क | कांच और कांच का सामान जो शीट ग्लास और प्लेट ग्लास से भिन्न हो। | कुछ नहीं | |
| 13 | 23ख | चाहानावेयर और पोसलेन वेयर। | कुछ नहीं | |
| 14 | 28 | टीन प्लेट और टीन की शीटें जिनके अन्तर्गत टीन टैगर्स आती हैं और एसी प्लेटों, शीटों और टैगरों की कतरनें | कुछ नहीं | |
| 15 | 32(1) | 60 वाट से अनधिक के बिजली के निर्यात या गैस भरे प्रकाश बल्ब किन्तु इसके अन्तर्गत आणित्यिक रूप से “मिनिएचर लैम्प” के नाम से ज्ञात बिजली के प्रकाश बल्ब नहीं आते। | कुछ नहीं | |

G.S.R. 524.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts strawboard and millboard falling under Item No. 17(2) of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of the said section 6.

EXPLANATION

For the purposes of this notification,—

- (1) 'millboard' means any unbleached homogeneous board, having thickness exceeding 0.50 millimetres and made out of mixed waste papers with or without screenings and mechanical pulp but without any colouring matter being added thereto;
- (2) 'strawboard' means a board made wholly or predominantly from partially cooked unbleached straw or bagasse or grasses or a mixture of these:

Provided that—

- (i) the quantity of any other material used shall not exceed one-third in weight of the total weight of the ingredients,
- (ii) such board shall not be specially compressed and shall not have any paper pasted on either surface.

[No. 35/71.]

सा० का० नि० 524.—वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) प्रथम अनुसूची की मद संख्या 17 (3) के अन्तर्गत आने वाले स्ट्राबोर्ड और मिलबोर्ड की उक्त धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से एसद्वारा छूट देती है।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए—

- (1) "मिलबोर्ड" से ऐसा अविरजित संभाग बोर्ड समिप्रेत है जिसकी मोटाई 0.50 किलोमीटर से अधिक हो और जो छानन सहित या छानन रहित मिश्रित रद्दी कागजों और यांत्रिक पल्प से बनाया गया हो किन्तु जिसमें कोई रंजक द्रव्य न डाला गया हो ;
- (2) "स्ट्राबोर्ड" से ऐसा बोर्ड अभिप्रेत है जो अंशतया पकाए हुए अविरजित तूणों या बगार या घास या इनके मिश्रण से पूर्णतया या प्रमुखतया बनाया गया हो :

परन्तु—

- (i) किसी अन्य प्रयुक्त पदार्थ की मात्रा संघटकों के कुल वजन के एक तिहाई वजन से अधिक नहीं होगी ;
- (ii) ऐसा बोर्ड विशेष रूप से संपीडित नहीं होगा और उसको ऊपर और नीचे की सतहों पर कोई कागज चिपका नहीं होगा।

[सं० 135/71]

G.S.R. 525.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 9 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts the excisable goods specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under Item No. 18 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of the said section 6 as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) or column (4), as the case may be, of the said Table:

THE TABLE

| S. No. | Description | Duty | |
|--------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
| | | in the case of manu- facturers whose clear- ances of staple fibre of cellulosic origin and of rayon and synthetic yarn con- sisting entirely of of cellulose deriva- tives or regenerated cellulose or both, taken together, for home consumption during the financial year 1966-67 did not exceed 36.5 lakh kilograms. | in other cases |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | (Rs. per kilogram) | |
| 1 | Yarn spun | | |
| | (a) wholly out of synthetic staple fibre of cellulosic origin. | Nil | Nil |
| | (b) partly out of such staple fibre and partly out of cotton, provided that the cotton content of the yarn does not exceed 40 per cent. of its weight. | Nil | Nil |
| 2 | Rayon and synthetic yarn consisting entirely of cellulose derivatives or regenerated cellulose or both. | | |
| | (i) below 75 deniers | 2.40 | 2.80 |
| | (ii) 75 deniers and above but below 100 deniers | 1.70 | 1.75 |
| | (iii) 100 deniers and above but below 120 deniers | 1.15 | 1.15 |
| | (iv) 120 deniers and above but below 150 deniers | 0.85 | 1.00 |
| | (v) 150 deniers and above but below 350 deniers | 0.75 | 0.90 |
| | (vi) 350 deniers and above | Nil | Nil |

स/० का० नि० 525.—वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क-योग्य माल की जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 18 के अन्तर्गत आता है, उक्त धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उक्त सारणी के, यथास्थिति, स्तम्भ 3 या 4 में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक हो :

सारणी

शुल्क

| क्रम संख्या | वर्णन | ऐसे विनिर्माताओं की दशा में जिनकी सैलूलोजिक उद्भव तथा रेयन और संश्लिष्ट सूत के, जो पूर्णतया सैलूलोज व्युत्पन्नों से या पुनर्योजित सैलूलोज से या दोनों से, साथ तन्तुक फाइबर की गृह उपभोग के लिए निकासी 1966-67 के वित्तीय वर्ष के दौरान 36.5 लाख किलोग्राम से अधिक की नहीं थी। | अन्य दशाओं में |
|-------------|-------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
|-------------|-------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|

1

2

3

4

- 1 (क) सैलूलोजिक उद्भव के संश्लिष्ट तन्तुक फाइबर से पूर्णतया बना हुआ सूत

| | | |
|--|----------|----------|
| | कुछ नहीं | कुछ नहीं |
|--|----------|----------|
 - (ख) अंशतया ऐसे तन्तुक फाइबर से और अंशतया रुई से बना हुआ सूत परन्तु यह तब जब सूत में रुई की मात्रा उमते वजन के 40 प्रतिशत से अधिक न हो।

| | | |
|--|----------|----------|
| | कुछ नहीं | कुछ नहीं |
|--|----------|----------|
 - 2 रेयन और संश्लिष्ट सूत जो पूर्णतया सैलूलोज व्युत्पन्नों या पुनर्योजित सैलूलोज से या दोनों से मिलकर बना हो।

| | | |
|--|----------|----------|
| | कुछ नहीं | कुछ नहीं |
|--|----------|----------|
- (i) 75 डेनियर से नीचे

| | | |
|--|------|------|
| | 2.40 | 2.80 |
|--|------|------|

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-------|-----------------------------------------------------|----------|----------|
| (ii) | 75 डेनियर और उससे ऊपर किन्तु 100 डेनियर से नीचे | 1.70 | 1.75 |
| (iii) | 100 डेनियर और उससे ऊपर किन्तु 120 डेनियर से नीचे | 1.15 | 1.15 |
| (iv) | 120 डेनियर और उससे ऊपर किन्तु 150 डेनियर से नीचे | 0.85 | 1.00 |
| (v) | 150 डेनियर और उससे ऊपर किन्तु 350 डेनियर से नीचे | 0.75 | 0.90 |
| (vi) | 350 डेनियर और उससे ऊपर | कुछ नहीं | कुछ नहीं |

[सं० 36/71]

G.S.R. 526.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts silk fabrics falling under sub-item (2) of Item No. 20 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 6 aforesaid.

[No. 37/71.]

सं० का० नि० 526— वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उप-धारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 20 की उप-मद (2) के अन्तर्गत आने वाले रेशमी फैब्रिक को पूर्वोक्त धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से एतद्वारा छूट देती है।

[सं० 37/71]

G.S.R. 527.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts woollen fabrics, falling under sub-item (2) of Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), which have been manufactured from the base fabrics on which no special duty of excise has been paid, from so much of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 6 aforesaid as is in excess of the special duty of excise for the time being leviable on the base fabrics contained in such woollen fabrics falling under sub-item (2) aforesaid:

Provided that where the special duty of excise has already been paid on the base fabrics, fabrics falling under the aforesaid sub-item (2) shall be exempt from the whole of special duty of excise leviable thereon.

[No. 38/71.]

सा० का० नि० 527.—वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 21 की उप-मद (2) के अन्तर्गत आने वाले ऊनी फैब्रिक को, ऐसे आधारी फैब्रिकों में विनिर्मित किया गया है, जिस पर कोई विशेष उत्पाद-शुल्क नहीं दिया गया है, पूर्वोक्त धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्-ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से एतद्द्वारा छूट देती है जितना पूर्वोक्त उप-मद (2) के अन्तर्गत आने वाले ऐसे ऊनी फैब्रिकों में अन्तर्विष्ट आधारी फैब्रिकों पर तत्समय उद्ग्रहणीय विशेष उत्पाद शुल्क से अधिक हो :

परन्तु जहाँ विशेष उत्पाद-शुल्क आधारी फैब्रिकों पर दिया जा चुका है वहाँ पूर्वोक्त उप-मद (2) के अन्तर्गत आने वाले फैब्रिकों को उन पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट दी जाएगी ।

[सं० 38/71]

GS.R. 528.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section 4 of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts rayon and artificial silk fabrics, falling under sub-items (2) and (3) of Item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) which have been manufactured from the base fabrics, on which no special duty of excise has been paid, from so much of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 6 aforesaid as is in excess of the special duty of excise for the time being leviable on the base fabrics contained in such rayon or artificial silk fabrics falling under sub-items (2) and (3) aforesaid:

Provided that where the special duty of excise has already been paid on the base fabrics, the fabrics falling under the aforesaid sub-items (2) and (3) shall be exempt from the whole of special duty of excise leviable thereon.

[No. 39/71.]

सा० का० नि० 528.—वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 22 की उप-मदों (2) और (3) के अन्तर्गत आने वाले रेयन और कृत्रिम रेशमी फैब्रिकों को जो ऐसे आधारी फैब्रिकों से विनिर्मित किए गए हैं जिन पर कोई विशेष उत्पाद-शुल्क नहीं किया गया है, पूर्वोक्त धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से एतद्द्वारा छूट देती है जितना पूर्वोक्त उप-मदों (2) और 3 के अन्तर्गत आने वाले ऐसे रेयन और कृत्रिम फैब्रिकों में अन्तर्विष्ट आधारी फैब्रिकों पर तत्समय उद्ग्रहणीय विशेष उत्पाद-शुल्क से अधिक हो :

परन्तु जहाँ विशेष उत्पाद-शुल्क आधारी फैब्रिकों पर दिया जा चुका है वहाँ पूर्वोक्त उप-मदों (2) और (3) के अन्तर्गत आने वाले फैब्रिकों को उन पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट दी जाएगी ।

[सं० 39/71]

G.S.R. 529.—In exercise of the powers conferred by rules 12, 12-A and 191-A of the Central Excise Rules, 1944, read with section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby directs that where any goods have been subjected to a special duty of excise under the aforesaid section and where on export of such goods to any country or territory outside India excluding Nepal, Bhutan and Sikkim, the Central Government, by a notification under the said rules 12 and 12-A, or the Central Board of Excise and Customs, by a declaration under the said rule 191-A, as the case may be, has permitted the rebate of excise duty paid on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), a rebate of the special duty of excise shall also be made subject to the same conditions as govern the rebate of excise duty.

[No. 40/71.]

सा० का० नि० 529.—वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12, 12-क और 191-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि जहां कोई माल पूर्वोक्त धारा के अधीन किसी विशेष उत्पाद-शुल्क के अधीन किया गया है और जहां नेपाल, भूटान, और सिक्किम से भिन्न किसी देश या राज्य-क्षेत्र को जो भारत से बाहर हो, ऐसे माल के निर्यात पर केन्द्रीय सरकार ने उक्त नियम 12 और 12-क के अधीन अधिमूचना द्वारा अथवा, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड ने उक्त नियम 191-क के अधीन घोषणा द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन ऐसे माल पर संवत् उत्पाद-शुल्क के रिबेट की अनुमति दी है, वहां विशेष उत्पाद-शुल्क का रिबेट भी उन्हीं शर्तों के अधीन होगा जो उत्पाद-शुल्क के रिबेट को लागू हैं।

[सं० 40/71]

G.S.R. 530.—In exercise of the powers conferred by rule 191-B of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby directs that where any goods are liable to additional duty of excise, or special duty of excise, as the case may be, or both, under the aforesaid Acts, and where the Central Government has, by a notification issued under the said rule 191-B, permitted the manufacture of specified articles in bond from specified excisable goods, manufacture of such articles in bond from such excisable goods shall also be permissible for purposes of the aforesaid Acts subject to the same conditions as govern such manufacture under the aforesaid rule 191-B.

[No. 41/71.]

सा० का० नि० 530.—अनिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के और वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि जहां पूर्वोक्त अधिनियमों के अधीन कोई माल, अनिरिक्त उत्पाद शुल्क या विशेष उत्पाद-शुल्क या दोनों के, जैसा भी स्थिति हो, दायित्वाधीन है और जहां केन्द्रीय सरकार ने, उक्त नियम 191-ख के अधीन जारी की गई अधिमूचना द्वारा, बन्धपत्राधीन विनिर्दिष्ट वस्तुओं के विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क-योग्य माल से विनिर्माण की अनुज्ञा दे दी है वहां ऐसे उत्पाद-शुल्क-योग्य माल से उक्त बन्ध-पत्राधीन वस्तुओं का विनिर्माण उन्हीं शर्तों के अधीन रहने हुए जो पूर्वोक्त नियम 191-ख के अधीन ऐसे विनिर्माण को लागू हैं, पूर्वोक्त अधिनियमों के प्रयोजनों के लिए भी अनुज्ञेय होगा।

[सं० 41/71]

G.S.R. 531.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 6 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government hereby exempts excisable goods referred to in sub-section (1) of section 6 of the aforesaid Act and in respect of which goods a notification under sub-rule (1) of rule 8 of the aforesaid Rules has been issued by the Central Government exempting them from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the amount of the duty of excise already paid on other excisable goods (hereinafter referred to as the intermediate products) used in their manufacture and which are specified in the respective notifications, from so much of the special duty of excise leviable thereon as is equivalent to the special duty of excise already paid on the intermediate products specified in the respective notifications.

[No. 42/71.]

R. JAYARAMAN, under Secy

सां कां नि० 531.—वित्त अधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 6 की उप-धारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क-योग्य माल को, जिसकी बाबत पूर्वोक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन अधिसूचना केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई है जिसमें उस माल को उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से मुक्त किया गया था जितना उसके विनिर्माण में प्रयुक्त अन्य उत्पाद-शुल्क योग्य माल पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् अन्तर्वर्ती उत्पाद कहा गया है) दिये जा चुके उत्पाद-शुल्क की रकम के बराबर हैं और जो माल सम्बद्ध अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से एतद्द्वारा मुक्त करती है जितना सम्बद्ध अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट अन्तर्वर्ती उत्पादों पर संवत् किए जा चुके विशेष उत्पाद-शुल्क के बराबर है।

[सं० 42/71]

रा० जयरामन, अवर सचिव।

